

- प्रथम अग्रिम अनुमान के अनुसार, वर्ष 2018-19 में 6.8% की वृद्धि दर की तुलना में वर्ष 2019-20 के दौरान वास्तविक जीडीपी वृद्धि दर कितनी रहने का अनुमान लगाया गया है? - **मात्र 4.8%**
- नकारात्मक/सकारात्मक जोखिमों के निवल मूल्यांकन के आधार पर वर्ष 2020-21 में सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि दर में किस दर से वास्तविक वृद्धि की उम्मीद है? - **6.0 से 6.5%**
- वर्ष 2018-19 में नॉमिनल कीमतों के आधार पर भारत की जीडीपी कितनी थी? - **2.7 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर**
- अक्टूबर 2019 में जारी विश्व आर्थिक आउटलुक (डब्ल्यूईओ) के मुताबिक भारतीय अर्थव्यवस्था विश्व की पांचवी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था हो गयी है। इसमें वर्ष 2019 में भारतीय अर्थव्यवस्था के आकार का कितना आकलन किया गया है? - **2.9 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर**
- [नोट: अर्थव्यवस्था के आकार की दृष्टि से भारत के पहले के चार देश हैं- संयुक्त राज्य अमेरिका (21.4 ट्रिलियन), चीन (14.1 ट्रिलियन), जापान (5.2 ट्रिलियन) और जर्मनी (3.9 ट्रिलियन)]
- किसी जिले में नई कंपनियों के पंजीकरण में 10% की वृद्धि होने से सकल घरेलू जिला उत्पाद (जीडीपी) में कितने प्रतिशत की बढ़ोतरी होती है? - **मात्र 1.8%**
- वर्ष 2018-19 में जीवीए में कृषि, वन एवं मत्स्य क्षेत्र का हिस्सा 16.1 प्रतिशत था। वर्ष 2019-20 की प्रथम छमाही में यह कम होकर कितना रह गया? - **मात्र 13.9 प्रतिशत**
- वर्ष 2018-19 में जीवीए में सेवा क्षेत्र का हिस्सा 54.3 प्रतिशत था। वर्ष 2019-20 की प्रथम छमाही में यह बढ़कर कितना हो गया? - **मात्र 57.8 प्रतिशत**
- वर्ष 2019-20 के लिए राजकोषीय घाटा लक्ष्य जीडीपी का 3.3% आंका गया था, जिसके वर्ष 2020-21 में जीडीपी के कितने प्रतिशत लक्षित स्तर प्राप्त करने की अपेक्षा है? - **केवल 3%**
- वर्ष 2019-20 में केंद्र का वित्तीय घाटा बजट में 7.04 लाख करोड़ रुपये था। यह सकल घरेलू उत्पाद का कितना प्रतिशत है? - **मात्र 3.3 प्रतिशत**
- बजट 2019-20 में सकल कर राजस्व (जीटीआर) का 24.61 लाख करोड़ रुपये का अनुमान रखा गया जो जीडीपी का कितना है? - **मात्र 11.7%**
- प्रत्यक्ष कर में मुख्यतः कॉर्पोरेट और वैयक्तिक आयकर शामिल है जो जीटीआर का कितना प्रतिशत है? - **लगभग 54%**
- वर्ष 2019-20 के बजट अनुमानों के मुताबिक सकल कर आय में कॉर्पोरेट आय कर का सबसे ज्यादा 31 प्रतिशत हिस्सा है। दूसरा सबसे अधिक हिस्सा किस कर का है? - **जीएसटी (27%), इसके बाद व्यक्तिगत आय कर (23%)**
- वर्ष 2019-20 में बजट अनुमान में प्रत्यक्ष कर जीडीपी का कितना प्रतिशत अनुमानित है? - **मात्र 6.3%**
- 2019-20 के बजट अनुमान में सरकारी व्यय की संरचना दर्शाती है कि रक्षा सेवाओं, वेतन, पेंशन, व्याज भुगतान और प्रमुख सब्सिडी पर कुल व्यय का कितना हिस्सा व्यय होता है? - **60 प्रतिशत से अधिक**

मौद्रिक नीति समिति

केंद्र सरकार ने विकास के मद्देनजर मूल्य स्थिरता बनाये रखने के लिए 27 जून, 2016 को 6 सदस्यीय मौद्रिक नीति समिति की स्थापना की। इन छह सदस्यों में से तीन सदस्य आरबीआई से होते हैं और अन्य तीन सदस्यों की नियुक्ति खुद आरबीआई करता है। इस समिति को अध्यक्षता आरबीआई गवर्नर करते हैं। इस समिति को निर्दिष्ट लक्ष्य स्तर के भीतर मुद्रास्फीति को नियंत्रित करने के लिए आवश्यक बेंचमार्क नीति दर (रेपो दर) को ठीक करने का काम सौंपा जाता है। मौद्रिक नीति समिति की बैठकें वर्ष में कम से कम 4 बार आयोजित की जाती हैं।

इंफ्लेक्सी एंड बैंकरप्सी कोड

केंद्र सरकार ने बैंकिंग व्यवस्था में बांकागत सुधार के तहत वर्ष 2016 में इंफ्लेक्सी एंड बैंकरप्सी कोड (आईबीसी) कानून पारित किया। इसके बाद 2017 में संशोधन कर इसमें कई प्रावधान जोड़े गए। आईबीसी के अंतर्गत कर्ज न चुकाने वाले बकाएदारों से निर्धारित समय के अंदर कर्ज वापसी के प्रयास किए जाते हैं। इस कोशिश से बैंकों की आर्थिक स्थिति में कुछ हद तक सुधार हुआ है। इसकी सफलता के पीछे एक विशेष कारण यह है कि अब बैंक के बकाएदारों को अपनी खुद की ही संपत्ति की निलामी एवं बोली लगाने पर पूर्ण बाबंदी है। 2018 तक के 2 वर्षों में आईबीसी के तहत प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से लगभग 3 लाख करोड़ रुपये से अधिक कीमत की फंसी हुई संपत्तियों का निस्तारण किया गया। सरकार ने आईबीसी, नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल और नेशनल कंपनी लॉ अपीलेशन ट्रिब्यूनल को और सशक्त करके यह संकेत दे दिया है कि अब दिवालिया उद्योगपति बैंकों को चपत नहीं लगा पायेंगे। अगर कोई ऐसा करने का प्रयास करता भी है तो इस कोड के अंतर्गत बैंकों के पास उनकी संपत्ति वसूलने के पर्याप्त साधन उपलब्ध हैं।

- 2019-20 में 27.86 लाख करोड़ रुपये के कुल व्यय का आकलन किया गया है, जिसमें 24.48 लाख करोड़ रुपये का राजस्व व्यय और 3.39 लाख करोड़ रुपये का पूंजीगत व्यय शामिल है। राजस्व व्यय जीडीपी का कितना प्रतिशत है? - **मात्र 11.6%**
- आर्थिक समीक्षा, 2019-20 के अनुसार, भारत में स्थिर कीमतों (2011-12) पर सकल मूल्य वृद्धि (जीवीए) में वर्ष 2012-13 में कृषि और सम्बद्ध क्षेत्रों का हिस्सा 17.8 प्रतिशत था, जो वर्ष 2018-19 में घटकर कितना रह गया? - **मात्र 14.39%**
- वर्ष 2014-19 की अवधि में 7.5 प्रतिशत की सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि के साथ-साथ भारत की भुगतान शेष स्थिति में सुधार हुआ है। यह सुधार किस कारण हुआ? - **संचित विदेशी रिजर्व में वृद्धि के कारण**
- वित्त वर्ष 2013-14 के अंत तक संचित विदेशी रिजर्व 304.2 बिलियन अमेरिकी डॉलर रहा, जो वित्त वर्ष 2018-19 की समाप्ति तक बढ़कर 412.9 बिलियन अमेरिकी डॉलर हो गया। 10 जनवरी, 2020 तक विदेशी मुद्रा भंडार बढ़कर कितना हो गया? - **461.2 बिलियन डॉलर**
- चालू खाता घाटा (सीएडी) वर्ष 2018-19 में जीडीपी के 2.1% से घटकर 2019-20 की पहली छमाही में कितना रह गया? - **मात्र 1.5%**
- पेट्रोलियम (पीओएल) निर्यातों का भारत के निर्यात पण्यों में बहुत बड़ी हिस्सेदारी है। 2019-20 (अप्रैल-नवंबर) में मूल्य के संदर्भ में पेट्रोलियम उत्पादों का सबसे अधिक निर्यात होना जारी रहा। यह कुल निर्यातों का कितना प्रतिशत है? - **मात्र 13.7%**
- वर्ष 2019-20 (अप्रैल-नवंबर) में भारत से सबसे अधिक निर्यात किस देश को किया गया? - **संयुक्त राज्य अमेरिका**
(नोट: दूसरे स्थान पर संयुक्त अरब अमीरात और तीसरे स्थान पर चीन रहा।)
- पण्य आयात/सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि का भुगतान शेष की स्थिति पर निम्नलिखित प्रभाव होता है। कई वर्षों से भारत में इस अनुपात में क्या हो रहा है? - **गिरावट आ रही है**
- आयात समूह में कच्चे तेल के आयात का बहुत अधिक हिस्सा है। वर्ष 2019-20 (अप्रैल-नवंबर) के आयात बास्केट में कच्चे पेट्रोलियम का अंश कितना था? - **सर्वाधिक 21.0%**
- भारत के सबसे बड़े चार आयात स्रोत देश हैं- चीन, संयुक्त राज्य अमेरिका, यूएई एवं सउदी अरब। वर्ष 2019-20 के दौरान इनमें से सबसे ज्यादा आयात किस देश से हुआ? - **चीन**
- वर्ष 2019-20 के दौरान भारत के सबसे बड़े 10 व्यापारिक भागीदारों का भारत के कुल पण्य व्यापार में कितना योगदान है? - **50 प्रतिशत से अधिक**
- वर्ष 2014-15 से लगातार वे दो सबसे बड़े व्यापारिक भागीदार कौन-से हैं जिनके साथ भारत का व्यापार अधिशेष रहा है? - **यूएसए और यूएई**
(नोट: भारत का अन्य बड़े व्यापारिक भागीदारों, जैसे- चीन, यूएई, इराक, जर्मनी, कोरिया, इंडोनेशिया और स्विट्जरलैंड के साथ 2014-15 से लगातार व्यापार घाटा हो रहा है।)
- विश्व बैंक के लॉजिस्टिक्स प्रदर्शन सूचकांक के अनुसार, 2018 में भारत विश्व में 44वें रैंक पर रहा, जबकि 2014 में यह 54वें स्थान पर था। वर्तमान में भारत का लॉजिस्टिक्स उद्योग लगभग 160 बिलियन डॉलर का है, जिसके वर्ष 2020 तक कितने तक पहुंच जाने की आशा है? - **215 बिलियन डॉलर तक**
- भारत का विदेशी ऋण मार्च 2018 के अंत तक 529.29 बिलियन डॉलर था। मार्च 2019 के अंत तक कुल बकाया विदेशी ऋण कितना था? - **543.19 बिलियन डॉलर**

नज सिद्धांत

व्यावहारिक अर्थशास्त्र के नज सिद्धांत (Nudge Theory) का उपयोग नीति निर्माण के दृष्टिकोण से काफी महत्वपूर्ण माना जाता है। इस सिद्धांत के अनुसार, व्यक्ति को अपने व्यवहार में जरूरी सकारात्मक परिवर्तन करने के लिए प्रेरित किया जाता है तथा व्यक्ति के चयन के अधिकार का भी सुरक्षित रखा जाता है। इस सिद्धांत का मानना है कि लोगों का समाज या देश के मूल्यों के अनुरूप व्यवहार करने के लिए मार्गदर्शन तथा प्रोत्साहन की आवश्यकता होती है। इस विचार के मद्देनजर विभिन्न सरकारें एवं संस्थान नीतियों का निर्माण करते हैं।

पर्यटन उपग्रह लेखा

राष्ट्रीय अनुप्रयुक्त आर्थिक अनुसंधान परिषद (NCAER) के साथ पर्यटन मंत्रालय ने संयुक्त राष्ट्र विश्व पर्यटन संगठन द्वारा संस्तुत कार्यप्रणाली को अपनाते हुए पर्यटन उपग्रह लेखा (TSA: Tourism Satellite Account) तैयार किया है। टीएसए संयुक्त राष्ट्र द्वारा अपनाया गया एक मानक सांख्यिकीय ढांचा है, जिसे अंतर्राष्ट्रीय मानकों, अवधारणाओं, वर्गीकरणों और परिभाषाओं के अनुसार पर्यटन से जुड़ी वस्तुओं और सेवाओं को मापने के लिए डिज़ाइन किया गया है। यह पर्यटन के आर्थिक माप का एक मुख्य साधन है।

क्या है व्यावहारिक अर्थशास्त्र?

अर्थशास्त्र के तार्किक विकल्प सिद्धांत का मानना है कि एक तार्किक व्यक्ति अपने स्वयं के सर्वोत्तम लाभ, उपयोगिता तथा लाभ को ध्यान में रखकर निर्णय लेता है। लेकिन व्यावहारिक अर्थशास्त्र की अवधारणा इसके विपरीत है। इस अवधारणा का मानना है कि लोगों के फैसले न सिर्फ उनकी तर्कशक्ति बल्कि अन्य कारकों जैसे- भावनाओं, मनोवृत्ति परिवर्तन, परिस्थिति आदि से भी प्रभावित होते हैं। व्यावहारिक अर्थशास्त्र के अनुसार, मानव का व्यवहार समाज एवं उसके बनावे नियमों से प्रमुख

आर्थिक समीक्षा 2019-20

- भारत का कुल दीर्घकालिक विदेशी ऋण मार्च 2019 के अंत में 434.77 बिलियन अमेरिकी डॉलर था। भारत के कुल विदेशी ऋण में दीर्घकालिक ऋण का हिस्सा कितना होता है? - लगभग 80.0%
- मौजूदा कीमतों पर जीवीए में कृषि एवं सहायक क्षेत्रों का हिस्सा वर्ष 2014-15 के 18.2% से गिरकर वर्ष 2019-20 में कितना प्रतिशत हो गया? - मात्र 16.5%
- वर्ष 2018-19 के अंतिम अनुमान के अनुसार, कृषि एवं संबद्ध क्षेत्र में मूलभूत कीमतों पर सकल मूल्य वृद्धि 2.9% रही। प्रथम अग्रिम अनुमान के मुताबिक इसके वर्ष 2019-20 में कितना रहने का अनुमान लगाया गया है? - मात्र 2.8%
- भारत में कृषि ऋण का क्षेत्रीय वितरण एक अत्यधिक विषम पैटर्न दर्शाता है। उत्तर पूर्वी, पहाड़ी और पूर्वी राज्यों में ऋण अन्य क्षेत्रों की तुलना में कम रहा है। कुल कृषि सावितरण में उत्तर पूर्वी राज्यों की हिस्सेदारी कितनी है? - एक प्रतिशत से कम
- नाबार्ड, 2018 के आंकड़ों के अनुसार, समग्र खेती मशीनीकरण अमेरिका में 95 प्रतिशत, ब्राजील में 75 प्रतिशत एवं चीन में 57 प्रतिशत है। इनकी तुलना में भारत में समग्र खेती मशीनीकरण कितना है? - 40-45 प्रतिशत
- जुलाई 2013 से राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के क्रियान्वयन से खाद्य सन्निधि बिल वर्ष 2014-15 के 113171.2 करोड़ रुपये से बढ़कर वर्ष 2018-19 में कितना हो गया? - 171127.5 करोड़ रुपये
- मात्रा और मूल्य के हिसाब से किस खाद्यान्न का हिस्सा कृषि निर्यात में सबसे अधिक है? - चावल
- वर्ष 2018-19 के दौरान देश में कुल मछली उत्पादन 13.42 मिलियन मीट्रिक टन (अंतिम) था। इसमें समुद्री मछली उत्पादन का योगदान ज्यादा था या अंतर्देशीय मछली उत्पादन का? - अंतर्देशीय मछली उत्पादन का (9.71 मिलियन मीट्रिक टन)
- सकल मूल्यवर्धन में योगदान के रूप में औद्योगिक क्षेत्र का प्रदर्शन वर्ष 2017-18 में 6.9 प्रतिशत था। प्रथम अग्रिम अनुमान के अनुसार, वर्ष 2019-20 में इसके कितने रहने की आशा है? - मात्र 2.5%
- औद्योगिक क्षेत्र ने औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) के आधार पर वर्ष 2018-19 (अप्रैल-नवंबर) के दौरान 5.0% की तुलना में वर्ष 2019-20 (अप्रैल-नवंबर) में कितनी प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की? - मात्र 0.6%
- वर्ष 2018-19 (सितंबर 2019 तक) में 22.66 मिलियन डॉलर की तुलना में वर्ष 2019-20 (सितंबर 2019 तक) के दौरान विदेशी प्रत्यक्ष निवेश का कुल इक्विटी अंतर्प्रवाह कितना रहा? - 26.10 बिलियन अमेरिकी डॉलर
- सकल संवर्द्धन मूल्य और सकल संवर्द्धन मूल्य वृद्धि में सेवा क्षेत्र का हिस्सा कितना है? - 55 प्रतिशत
- सकल मूल्य संवर्द्धन (जीवीए) के प्रथम अग्रिम अनुमानों के अनुसार, 2019-20 के दौरान सेवाओं के क्षेत्र में संवृद्धि में गिरावट जारी रही। यह वृद्धि दर 2018-19 में 7.5 प्रतिशत से घटकर 2019-20 में कितनी पर पहुंच गयी? - मात्र 6.9 प्रतिशत
- आर्थिक समीक्षा 2019-20 के अनुसार, चीन के बाद दूसरा सबसे बड़ा ग्रीन बॉन्ड बाजार कौन-सा है? - भारत
- वैश्विक एसडीजी इंडेक्स में भारत के प्राप्तांक वर्ष 2018 में 57 की तुलना में बढ़कर वर्ष 2019 में कितने हो गए हैं? - 60
- केन्द्र और राज्यों द्वारा सामाजिक सेवाओं (स्वास्थ्य, शिक्षा व अन्य) पर जीडीपी के अनुपात के रूप में व्यय वर्ष 2014-15 में 6.2 प्रतिशत से बढ़कर वर्ष 2019-20 में कितना हो गया? - मात्र 7.7 प्रतिशत

रूप से प्रभावित होता है। भारत में स्वच्छ भारत मिशन, बेंटी बचाओ-बेंटी पढ़ाओ, स्वच्छिष्ट एलपीजी सन्निधि छोड़ना जैसी योजनाएं इसके उदाहरण हैं। वर्ष 2017 में रिचर्ड धेलर को व्यावहारिक अर्थशास्त्र पर ही नोबेल पुरस्कार मिला था।

श्रमिक बल

श्रमिक बल उन श्रमिकों को इंगित करता है जो किसी संदर्भ अवधि में आर्थिक गतिविधियों में लगे हुए होते हैं अथवा किसी आर्थिक गतिविधि में शामिल होना चाह रहे हैं। इसमें ऐसे श्रमिक जो कार्यबल में हैं; और बेरोजगार श्रमिक दोनों शामिल होते हैं। इनमें से कार्यबल उस आबादी को इंगित करता है जो किसी आर्थिक गतिविधि में सक्रिय रूप से लगी हो और किसी संदर्भ वर्ष में माल और सेवाओं का उत्पादन कर रहा हो, जबकि बेरोजगार श्रमिक उस पूरी आबादी को इंगित करते हैं जो कार्य की तलाश कर रहे हैं और कार्य के लिए उपलब्ध हैं, किंतु उन्होंने किसी संदर्भ वर्ष में कार्य की कमी के कारण कार्य नहीं किया था। इसलिए श्रमिक बल भागीदारी दर (LFPR) को कुल आबादी के नियोजित व्यक्तियों के अनुपात के रूप में परिभाषित किया जा सकता है।

आवधिक श्रमबल सर्वेक्षण

सरकार ने एनएसओ के पूर्ववर्ती पंचवार्षिक रोजगार और बेरोजगारी सर्वेक्षण (ईयूएस) के साथ-साथ सर्वेक्षण प्रवृद्धि, डाटा संग्रहण प्रणाली और प्रतिदर्श अभिकल्प में कुछ परिवर्तनों सहित वार्षिक 'आवधिक श्रमबल सर्वेक्षण' (PLFS: Periodic Labour Force Survey), 2017-18 नामक एक नया नियमित रोजगार-बेरोजगार सर्वेक्षण शुरू किया है। पीएलएफएस के तहत शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों से परिवारों का चयन उन परिवारों का 75 प्रतिशत भारांक प्रदान करते हुए किया गया है जिसमें कम से कम एक सदस्य माध्यमिक या उससे उच्च शिक्षा प्राप्त हो।